SHRI RAMAKRISHNA HEGDE (Karnataka): Why don't you disclose *the* name?

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: I do not know, it is for the Government to disclose the name.

SHRI NARASINGHA PRASAD NANDA: When Mr. Bhupesh Gupta was Member of this House, he had mentioned the name, but somehow that name did not come on the record. The name is known to all the members of the ruling party. He is prominent member of the ruling party. They should come forward with the name.

**Reference to the reported marriages of Indian Girls with nationals of Gulf countries.**

**श्री सैयद रहमत अली** (आंध्र प्रदेश) : जनाब डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं आपकी इजाजत से एक इंतिहाई अहमतरीन मसले के ताल्लुक से हुकूमत की तवज्जह मबजूल कराना चाहता हूं ।

सारी दुनिया इस बात से वाकिफ़ है कि हिन्दुस्तान के ताल्लुकात अरब ममालिक के साथ हमेशा ही दोस्ताना रहे हैं । अरब ममालिक से हर मसले के ताल्लुकात से हिन्दुस्तान ने हमेशा ही दोस्ताना और बिरादराना रवैया अख्तियार किया है । लेकिन मैं बहुत ही दुख और अफ़सोस के साथ एक अहमतरीन मसले के बारे में इस हाउस की तवज्जह और हुकूमत की तवज्जह मबजूल कराना चाहता हूं कि अरब ममालिक से जो लोग वीसा लेकर हिन्दुस्तान आते हैं, उन लोगों ने हिन्दुस्तान के बाज शहरों में, खासकर हैदराबाद, बंगलौर और बम्बई में, अपने अय्याशी के अड्डे बना रखे हैं । मैं बहुत दुख और अफ़सोस के साथ यह बात कहना चाहता हूं कि 50–60 की उम्र का एक जईफ़ आदमी हैदराबाद, बंगलौर, और बम्बई के शहरों में जाकर कम उम्र की, 15–16 साल की और बाज सूरतों में 16 वर्ष से भी कम उम्र की बच्चियों से शादी करता है । मैं गवर्नमेंट से पूछना चाहता हूं कि जो अरब ममालिक से लोग हिन्दुस्तान आते हैं, उनका जो परपज आफ विजिट है वीसा में, वह क्या बतलाते हैं? अगर उनका परपज आफ विजिट वाजेह है तो उन्हें हिन्दुस्तान आने की इजाजत दी जानी चाहिए । मुझे दुख और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जिन बच्चियों को यहां से वह व्याह करके ले जाते हैं, अपने मुल्क में ले जाने के बाद थोड़ी देर अय्याशी करते हैं और फिर उन्हें तल्लाक दे देते हैं । फिर वह बच्चियां दूसरे के हाथ बिकने लगती हैं । यह खतरनाक मसला है जिससे न सिर्फ हिन्दुस्तान की मुस्लिम बिरादरी की बदनामी है बल्कि हिन्दुस्तान की इज्जत का भी इससे कौमी ताल्लुक पैदा होता है । हिन्दुस्तान में 14 करोड़ मुसलमान बसते हैं । दुनिया में जो मुस्लिम आबादी वाले ममालिक हैं उनमें इंडोनेशिया के बाद हिन्दुस्तान को दूसरा मुस्लिम आबादी वाला बड़ा मुल्क करार दिया जाता है । मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि बाज फिरकापरस्त मुस्लिम कायदीन इन शादियों की हिमायत करते हैं । मैं उन मुस्लिम कायदीन से यह पूछना चाहता हूं कि क्या वे अपनी बहन बेटियों को इन जईफुल उम्र बुढ्ढों के हवाले करने के लिए तैयार हैं? मैं हुकूमत से, खास तौर पर इस बात की ख्वाहिश और दरख्वास्त करूंगा कि हिन्दुस्तान में आकर इन शादी व्याह करने वालों पर पाबन्दी लगाये या कम से कम यह बापाबन्दी लगाई जाय कि अरब ममालिक में शादी के लिए जो कायदे व जाब्ते मुकर्रर हैं, उन पर अमल किया जाए ताकि हमारी बहनों और बेटियों की इज्जत का नीलाम न हो सके ।